बेटी बचाओ बेटी पढाओ (बीबीबीपी)

- यह एक कन्वर्जेन्स आधारित योजना है। योजना का शुभारंभ 22 जनवरी 2015 को माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा भारत के 100 जिलों पानीपत (हरियाणा) से किया गया। अप्रैल 2016 में भारत के 61 जिले और जोड़े गये तथा 8 मार्च 2018 को राजस्थान के झुन्झुनू में माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा एक विशाल समारोह में पूरे भारत में योजना को लागू किया है।
- जो विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से राज्य में संचालित की जा रही है। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा और स्वास्थ्य, शिक्षा, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचायतीराज आदि विभाग प्रमुख भूमिका में हैं।
- वर्तमान में राजस्थान के सभी जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

योजना के उद्धेश्य –

- **जेन्डर पक्षपाती लिंग जांच को रोकना**
- **बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना।**
- **बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना।**

योजना के लक्ष्य –

- असंतुलित लिंग अनुपात वाले चयनित जिलों में एक वर्ष में जन्म लिंग अनुपात में 2 अंको तक सुधार
- पांच वर्ष तक के बच्चों की शिशु मृत्यु दर में लिंग भिन्नता को 2014 में 7 अंक से प्रतिवर्ष 1.5 अंक तक कम करना
- संस्थागत प्रसव में प्रतिवर्ष 1.5 प्रतिशत की वृद्धि करना
- प्रथम त्रैमास में ए.एन.सी. पंजीकरण में कम से कम 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि
- माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में लडकियों के नामांकन को वर्ष 2018–19 तक 82 प्रतिशत तक बढाना
- चयनित जिलों के प्रत्येक स्कूल में लडकियों के लिये अलग से शौचालय का प्रबन्ध करना
- बालिकाओं के पोषण की स्थिति में सुधार–5 वर्ष तक की बालिकाएं जिनका वजन कम है तथा ऐनिमिक हैं उनकी संख्या को कम करना
- समेकित बाल विकास सेवाऐं योजना (आई.सी.डी.एस.), राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन. आर.एच.एम.) जच्चा–बच्चा सुरक्षा कार्ड का उपयोग करते हुए आई.सी.डी.एस. के सार्वभौमिकरण एवं लडकियों की उपस्थिति एवं समान देखभाल सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं के लिये एक सुरक्षात्मक वातावरण देने के लिये बाल यौन सुरक्षा अपराध अधिनियम 2012 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना
- निर्वाचित प्रतिनिधि /ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ताओं को, समुदायों का शिशु लिंग अनुपात में सुधार और बालिकाओं की शिक्षा को बढावा देने के लिये एकजुट करने हेतु सामुदायिक चैम्पियन के रूप में प्रशिक्षित करना।